Nature of Social Psychology.
(समाज मनोविज्ञान का स्वरूप या विशेषताएँ)

समाज मनोविज्ञान के परिभाषाओं के विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि इसका स्वरूप काफी जटिल है। समाज शास्त्रियों तथा मनोवैज्ञानिकों के विचारों के आलोक में समाज मनोविज्ञान के स्वरूप के सम्बंध में निम्न बातें उल्लेखनीय है। :—

(A) समाज मनोविज्ञान : एक शुद्ध मनोविज्ञान (Social Psychology : A Pure Psychology) :— समाज मनोविज्ञान के स्वरूप पर विचार करने से पता चलता है कि यह एक शुद्ध मनोविज्ञान या मौलिक विज्ञान (Basic Science) है। कारण यह शुद्ध मनो० अथवा अभिधारणाओं (concepts) को पूरा करता है :— जैसे :—

(i) शुद्ध मनोविज्ञान की एक अभिधारणा या शर्त यह है कि इसमें विषय वस्तु (Subject matter) का अध्ययन व्यवस्थित रूप से (Systematically) किया जाता है। इस अध्ययन के लिए आवश्यकता के अनुसार प्रयोगशाला-प्रयोग (Laboratory experiment), क्षेत्र प्रयोग (Field experiment) या क्षेत्र अध्ययन (Field study) का व्यवहार किया जाता है। यह विशेषता समाज मनोविज्ञान में भी पाई जाती है। यहाँ भी आवश्यकतानुसार क्षेत्र अध्ययन, क्षेत्र प्रयोग का व्यवहार करके सामाजिक विषयों या घटनाओं का अध्ययन किया जाता है। इस आधार पर भी समाज मनोविज्ञान शुद्ध मनोविज्ञान या व्यवहारिक मनो० कहना युक्तिसंगत (justified) है।

(ii) शुद्ध मनोविज्ञान की एक दूसरी विशेषता यह है कि इसमें परिकल्पना (hypothesis) या परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है फिर विधिवत अध्ययन के आधार पर उसकी जाँच की जा सकती है।

(iii) इसकी तीसरी विशेषता यह है कि इसमें अध्ययनों के आधार पर प्राप्त परिणामों के आलोक में जब परिकल्पना सही प्रमाणित हो जाती तो उसे सिद्धांत के रूप में मान लिया जाता है। जैसे - Thorndike ने चूहे, बिल्ली आदि पशुओं पर प्रयोग करके इस परिकल्पना को प्रमाणित कर दिया कि सीखने का आधार तत्परता, अभ्यास तथा

प्रेरणा है। अत: इसे सिद्धांत के रूप में मान लिया गया। यह विशेषता समाज मनोविज्ञान में भी पाई जाती है। यहाँ भी परिकल्पना के सही प्रमाणित होने पर उसे सिद्धांत के रूप में मान लिया जाता है।

(iv) शुद्ध मनोविज्ञान की चौथी विशेषता या अभिधारणा यह है कि इसमें नियमों का निर्माण किया जाता है। जब भिन्न-2 मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत का प्रमाणीकरण (verification) हो जाता है तो इसे एक नियम का रूप दे दिया जाता है। Thorndike ने सीखने के तीन नियम अर्थात तत्परता नियम (Law of Readiness), अभ्यास नियम (Law of exercise), तथा प्रभाव नियम (Law of effect) का निर्माण इसी तरह किया। यह बात समाज मनोविज्ञान में भी है।

(v) ... स्पष्ट है कि समाज मनोविज्ञान शुद्ध मनोविज्ञान की सभी अभिधारणाएँ (assumption), शर्तें (condition) या विशेषताएँ (charecteristic) आदि पाई जाती है। अत: समाज मनोविज्ञान वास्तविक अर्थ में शुद्ध मनोविज्ञान की एक शाखा है। इस अर्थ में यह सामान्य मनोविज्ञान (General Psychology), बाल मनोविज्ञान (child Psychology), असामान्य मनोविज्ञान (abnormal Psychology) आदि शुद्ध मनो० से अभिन्न (Similar) तथा शिक्षा मनो० (educational Psychology), औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology आदि व्यवहारिक मनोविज्ञानों (Applied Psychology) से भिन्न है।